पहले चरण में उत्तराखण्ड तैयार

RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 45 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 15 अप्रैल 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

पाँचों सीटों पर जबर्दस्त घमासान

उत्तराखण्ड को विकसित बनाना है : नरेन्द्र मोदी

उत्तराखण्ड के यूसीसी ने दिया देश को संदेश : नड्डा

देश विकास की राह पर निकल चुका : पुष्कर धामी

बेटी का हत्यारा और माफिया संरक्षक कौन : यशपाल

मनमानी और हिटलरशाही को जनता देख रही है : गोदियाल

मोदी के नेतृत्व में काफी विकास हुआ : अनिल बलूनी

कांग्रेस-भाजपा प्रत्याशियों में बौखलाहट : उमेश कुमार

मोदी सरकार केवल जुमले की सरकार : हरीश रावत

विपक्षी नेताओं के पेट दर्द का इलाज जनता करेगी : त्रिवेंद

चुनाव सच व झूठ पर लड़ा जा रहा है : प्रदीप टम्टा

कांग्रेस बचाने की चिन्ता करें राहुल : अठवले

परिवर्तन की बयार नैनीताल से होगी : सुमित हृदशेय

अग्निवीर योजना से युवाओं के सपनों को कुचला : प्रकाश

कार्यालय प्रतिनिधि

लोकसभा चुनाव के लिये उत्तराखण्ड की पाँचों सीटों में चल रहे घमासान में मतदाता अपने मत के लिये तैयार है। प्रथम चरण में 19 अप्रैल को प्रदेश में मतदान होना है, इसके लिये छोटे-बड़े नेताओं ने अपने सम्बोधन में खुलकर बोला और अपना पक्ष रखा। स्टार प्रचारकों की सभाओं को लेकर पर्टी वाले बन्दोबस्त कर रहे हैं क्योंकि आम जनता समझ चुकी है कि यह सब रिझाने के आयोजन हैं। रोड शो, बैठक, सोशल मीडिया के द्वारा प्रचार-प्रसार को हवा दी जा चुकी है। बड़ी सभाओं में देखें तो प्रधानमंत्री की रुद्रपुर में हुई जनसभा खास है। जिसे भाजपा ने विजय शंखनाद रैली का नाम दिया था। मोदी ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि 'देवभूमि उत्तराखण्ड में ये मेरी पहली चुनावी सभा है। अब मैं तय नहीं कर पा रहा हूं कि यह प्रचार सभा है या विजय सभा।' उन्होंने कहा, हमें उत्तराखण्ड को विकसित बनाना है, सबसे आगे लेकर जाना है और इसके लिये केन्द्र की भाजपा सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है। पिथौरागढ़ सहित अन्य सभाओं के आकर्षण बने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे0पी. नड्डा ने कहा विकसित और सुरक्षित भारत के लिये मोदी जरूरी है। कहा मोदी ने राजनीतिक संस्कृति ही बदल दी। उत्तराखण्ड के मुख्मयंत्री धामी ने देश में सबसे पहले यूसीसी लागू कराई है। यह देश के लिये संदेश है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चुनावी सभाओं में कह रहे हैं- देश मोदी के नेतृत्व में विकास की ओर निकल पड़ा है। प्रदेश की पाँचों सीटें प्रचण्ड बहुमत से भाजपा के पाले में आने जा रही हैं।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्या ने पीएम मोदी से जनता से जुड़े सवाल उठाते हुए कहा है कि शान्त प्रदेश में ध्रुवीकरण की राजनीति करने के बजाय उन्हें 6 सवालों पर सीधा जवाब देना चाहिये। आस्था का केन्द्र बाबा केदारनाथ में 230 किलो सोना गायब होने के दोषी अब तक कहाँ हैं? सैनिक बहुल राज्य में अग्निवीर योजना के नाम पर स्थानीय युवाओं के देश सेवा के सपनों और भविष्य से खिलवाड़ क्यों किया गया? महिला अपराध में में भाजपा नेताओं का नाम सामने आ चुका है। महिला सुरक्षा के दावे क्या हुआ? भूकानून की अनदेखी क्यों हो रही है?

पौड़ी सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी गणेश गोदियाल जनता के बीच जाकर भापजा पर बरस रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में मनमानी और हिटलरशाही को जनता देख रही है। वनन्तरा प्रकरण में सरकार की चुप्पी, अग्निवीर योजना के नाम पर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़, बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई से जनता त्रस्त है। भाजपा के प्रत्याशी अनिल बलूनी नरेन्द्र मोदी का गुणगान करते हुए कहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में पिछले दस वर्ष में काफी विकास हुआ है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, आलवेदर रोड सहित कई अन्य कार्य इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हैं।

हरिद्वार लोकसभा सीट की घमासान क्या रंग लाएगी यह तो मतगणना के बाद हीं पता चलेगा लेकिन यहाँ चुनाव चस्का और टक्कर जोरदार चल रहा है। निर्दलीय प्रत्यशी उमेश कुमार ने कहा कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशियों में उनको लेकर बौखलाहट है। यही वजह है कि दोनों उन पर सियासी हमले में लगे हैं। उन्हें इस बात की खुशी है कि दो पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रत्याशी चुनाव में उनके नाम के प्रचार में जुटे हैं। इसी सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी वीरेन्द्र रावत के समर्थन में उनके पिता और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने बागडोर संभाल रखी है। वह कहत हैं- मोदी सरकार केवल जुमले की सरकार है। हकीकत के धरातल पर उनके पास ऐसा कुछ भी नहीं है। वहीं बेरोजगारों के साथ बड़े-बड़े उपक्रमों को बेचकर अपने चहेतों को लाभ पहुँचाकर युवाओं को नुकसान किया। सरकार युवाओं को पकौड़ी बेचने की सलाह देती है। हरिद्वार सीट से ही भाजपा प्रत्यशी पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र रावत ने कहा कि विपक्षी नेताओं के पेट में दर्द की किसी डाक्टर के पास दवा नहीं है। यह सब जनता के द्वारा किए गए इलजा से ठीक होंगे। जनता ही इनके पेट दर्द का इलाज करेगी।

अल्मोड़ा लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप टम्टा कहते हैं- इस बार का चुनाव सच व झूठ पर लड़ा जा रहा है। भाजपा के नेात झूठ बोलकर जनता को बरगलाते हैं। अंकिता हत्याकाण्ड, भू कानून, महंगाई, भर्ती घोटाला को जनता भूली नहीं है। देहरादून पहुंचे रिपब्लिक पार्टी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और केन्द्रीय नय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठवले ने भाजपा के मीडिया सेन्टर में कहा- 'कांग्रेस नेता राहुल अपनी पार्टी की चिन्ता करें।' कहा, राहुल कांग्रेस बचाने की चिन्ता करें, देश की मोदी कर रहे हैं। नैनीताल सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी के प्रचार में विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि इस बार लोकसभा नैनीताल से पविर्तन की बयार होगी। बाबा नीमकरोली के आशीर्वाद से आम जनता की उम्मीदों की यह जीत होनी है। नैनीताल सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी ने कहा है- अग्निवीर योजना से युवाओं के सपनों को कुचला है। भाजपा प्रत्याशी ने जिन गांवों को गोद लिया उनकी ओर पलट कर नहीं देखा आज वोट मांग रहे हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

सरकते नेताओं पर कैसे भरोसा करें

लोकसभा चुनाव के इस सीजन में बड़ी संख्या में नेता अपने दल बदल रहे हैं या यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि वह किस ओर रहें। ऐसे में कैसे मान लिया जाए कि यह समाज की दशा-दिशा ठीक कर पायेंगे।

ऐसा नहीं है कि किसी पार्टी से जुड़ा नेता दूसरी पार्टी में पहले नहीं गया हो। पहले भी अपनी पार्टी छोड़ दूसरी पार्टी में चले जाते थे लेकिन अब जो स्थिति है वह सोचनीय है। सरकते नेताओं पर सवाल उठने लगे हैं। याने की इनका जब जिधर मन हो ये जा सकते हैं और जनता इनकी पिछलग्गू बनी रहे। यह भी सवाल है कि भटकते नेताओं की विचारधारा क्या है? क्या यह सिर्फ अपने स्वार्थ के लिये मौका देखकर पार्टी बदल लेते हैं। हाल में पार्टी बदलने वाले कुछ नेताओं पर सीधा सा आरोप लग रहा है कि वह कारोबारी हैं और अपने स्वार्थ के लिये कुछ भी कर सकते हैं। यदि ऐसा है तो इन पर क्या भरोसा किया जा सकता है?

भाजपा में जाने वाले नेताओं को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। भाजपा कहती है- 'कांग्रेस मुक्त' करना है जबकि कांग्रेस से आने वाले अधिकांश नेताओं को देख लग रहा है यह पार्टी 'कांग्रेस युक्त' हो रही है। कांग्रेस के शीर्ष नेता तो सीधे कह रहे हैं कि जिन्हें अपने किन्हीं कारणों पर सन्देह है वह जाँच की डर से पार्टी छोड़ रहे हैं। इनकी पोल खोली जाएगी।

बात भाजपा-कांग्रेस की नहीं, चाहे कोई भी पार्टी हो इनमें शालिम होने वाले नेता यदि बार-बार इधर-उधर होते हों, वह भी चुनाव के समय ज्यादा इधर-उधर का रास्ता देख रहे हों तो साफ सी बात है उनके मन में अपने स्वार्थ के अलावा कुछ नहीं है। आम जनता भी खुलेआम आरोप लगाने लगी है कि यह सब सौदेबाजी चल रही है। तो क्या यह मान लिया जाए कि ऐसे नेता हमारा नेतृत्व करेंगे? जिन्हें अपने स्वयं का पता न हो कि वह कब किधर होंगे, ऐसे सरकते नेताओं पर कैसे भरोसा करें? जब 'सरकते नेता' अपने लिये इतना चिन्तित हैं तो क्या जनता ने अपनी चिन्ता नहीं करनी चाहिये? दल बदल रहे, अपने टिकट-अपने कारोबार-अपने अन्य स्वार्थ के लिये बार-बार गुमराह करने वाले किसी भी पार्टी के किसी भी नेता पर जनता को भी सजग हो जाना चाहिये।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

चुनाव के बाद सुधर सकते हैं रिश्ते

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत में आम चुनाव के बाद पड़ोसी देश के साथ रिश्ते बेहतर होने की उम्मीद जताई है। भारत पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि उसका इरादा आतंकवाद को लेकर साफ है। भारत आतंकवाद की समस्या को नजरअंदाज नहीं करेगा।

भारत की दो टूक- चीन दुस्साहस न करे

केन्द्रीय विदेश मंत्रालय ने अरुणांचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलने के चीन के प्रयास को खारिज कर दिया। कहा कि नाम बदलने के प्रयास से इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अरुणांचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और रहेगा।

कम लागत में होगा कैंसर का इलाज

मुम्बई। पवाई स्थित आईआईटी के आयोजन में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने कैंसर के इलाज के लिये स्वदेशी रूप से विकसित सीएआर टी-सेल थेरेपी की शुरूआत की। आईआईटी बॉम्बे और टाटा मेमोरियल सेन्टर द्वारा विकसित जीन आधारित थेरेपी में करीब दस गुना कम खर्च पर कैंसर का इलाज होगा।

बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि प्राइम का परीक्षण

नई दिल्ली। सामरिक बल कमान ने डीआरडीओ के साथ मिलकर ओडिशा के तट पर डॉ. अब्दुल कलाम द्वीप से नई पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि प्राइम का सफल उड़ान परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के साथ मिलकर दो हजार किमी की मारक क्षमता वाले मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

अमेरिका में प्रवासियों के रहने की अवधि बढ़ेगी

वाशिंगटन। अमेरिका नागरिकता व आव्रजन सेवा ने अस्थायी अन्तिम नियम की घोषणा की है। इसमें कार्य परमिट के लिए अप्रवासियों को पात्रता का विस्तार किया गया है। इसके तहत कुछ रोजगार प्राधिकरण दस्तावेजों के लिये संचालित 180 दिन की अवधि 540 दिनों तक बढ़ा दी गई है।

मालदीप को जरूरी वस्तुएं निर्यात करेगा भारत

मुम्बई। भारत तनावपूर्ण सम्बन्धों के बावजूद मालदीप को आवश्यक वस्तुओं का निर्यात करेगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय की ओर से इस बारे में अधिसूचना जारी की गई। इसमें कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत वित्त वर्ष 2034-25 में चीनी, गेहूं, चावल आदि निर्यात होगा।

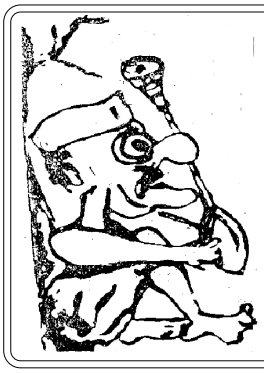

फसक

दाज्यू, चुनाव की लग्गो-लिपटा भी ठैरी

नगद-शराब-स्मैक-पोस्टर-झण्डे सब मलमूत्र भाव रहा है बल

दाज्यू, लोकसभा चुनाव का हल्ला पुराने जमाने जैसा रहा नहीं। अब तो सोशल मीडिया पर झमाकेदार पोस्ट से दीमांग के तार हिलाए जा रहे हैं। रही-बची पार्टी छोड़ इधर-उधर जाने वालों ने कर रखी है। दाज्यू, चुनाव की लग्गो-लिपटा भी ठैरी। कौन कब कहाँ किसके अंगाव लग जाए पता नहीं है।

देशभर में रंगत हो रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को तिहाड़ जेल भेज दिया। ईडी के बयान तगड़े आ रहे हैं। अपने हरक सिंह ईडी के घेरे में घूम रहे हैं। क्या किया जा सकता है?

दाज्यू, रौनक तो तब देखने को मिली जब अल्मोड़ा में परिवहन विभाग की टीम सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के कुलपति की गाड़ी चुनाव में ले जाने पर अड़ गये। कुलपति का कहना था- 'मैं संवैधानिक पद पर हूं। मेरे वाहन का अधिग्रहण गलत है। इसके अलावा अक्सर मुझे मीटिंग और विवि सम्बन्धित जरूरी कार्यों के लिये यहां-वहां जाना पड़तना है। आपात काल में दिक्कत हो सकती है।' दाज्यू, आप जानने ही वाले ठैरे कि चुनाव में क्या-क्या होता है। चुनाव आयोग के मारे कोई चूं-चां नहीं करता है। दाज्यू, नगद- शराब-स्मैक-पोस्टर-झण्डे सब मलमूत्र भाव रहा है बल। चैकिंग में लाखों की पकड़ हो चुकी है।

दाज्यू, सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापन के मामले में बाबा रामदेव और बालकृष्ण को फटकार लगा दी बल। दाज्यू, बाबा के लिये क्या कहें, बस अनुलोम-विलोम कर रहे हैं। चम्पावत के जिला युवा कल्याण अधिकारी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज हो चुका है। वह शादी का झांसा देकर 18 साल से महिला का शोषण कर रहे थे बल। दाज्यू, रामनगर में भी कार्बेट में रेंजर पर छेड़छाड़ का आरोप लग रहा है। सीटीआर प्रशासन जाँच कर रहा है। महिला वन दरोगा ने आरोप लगाया है कि रेंजर साब ने छेड़छाड़ की और शराब पीने को कहा।

दाज्यू, उच्चशिक्षा को लेमनजूस मानने वालों ने पेलनचू बना दिया है बल। बब्बू बता रहा है- 'प्रोफेसर बनने वालों की ही जाँच हो रही है। जो पात्र नहीं थे वह भी प्रोफेसर हो गये। कई के कागज-पत्तर पूरे होने हैं।' दाज्यू, हम तो कह रहे हैं हो जाने दो सबको प्रोफेसर। इस कलजुग में अब रखा ही क्या है। सड़क चलने वाला हर कोई तो सर-मैडम हो जाने वाला ठैरा। फिर डिग्री कालेज में मुंह दिखाई का ईनाम.....। दुनिया गोल घूम रही है लेकिन इतनी ज्यादा गोल और तेज होगी हमें पता नहीं था। दाज्यू, जब जिसकी चल रही होती है खूब चलाता है। बांकी क्या कहें।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

टीआरसी दन्या की हालत खराब

शौचालय की घेराबाड़ी और तल पर मुर्गीबाड़ा बना

गणेश रावत

दन्या। कुमाऊँ मण्डल विकास निगम का दन्या स्थित मार्गीय सुविधा केन्द्र भूतबंगला सा बनने जा रहा है। लम्बे समय से इसको संवारने की मांग की जा रही है लेकिन इस महत्वपूर्ण स्थान पर टीआरसी के हाल खराब हैं। ऐसे में यहाँ आने वाले मेहमानों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों की मांग है कि टीआरसी को शीघ्र सुचारु रूप से चलाए जाने के लिये कदम उठाया जाए। साथ ही इससे लगा हुआ सुलभ शौचालय को जनपयोगी हो, जबकि इसमें मुर्गी व्यापारी द्वारा कब्जा किये जाने की बात कही जा रही है। इस शौचालय को पहले भी सुधार कर विस्तार देने की मांग होती रही है लेकिन वर्तमान में तो शौचालय के ऊपर कमरों में रहने और तल स्थल पर मुर्गीबाड़ा दिखाई देता है। इससे क्षेत्र वासियों में आक्रोश है। शौचालय को कब्जा मुक्त करने के साथ ही टीआरसी को सुविधा सम्पन्न बनाया जाना जरूरी है ताकि पर्यटक सीजन में आने वाले यात्रियों की संख्या बढ़े।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

कृषि

मोटे अनाजों को पहचान तो मिली पैदावार बढ़ाना भी एक चुनौती है

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

राज्य गठन के समय उत्तराखण्ड में कृषि का क्षेत्रफल 7.70 लाख हेक्टेयर था। जो 24 सालों में घट कर 5.68 लाख हेक्टेयर पर पहुँच गया है। हर चुनाव में खेती किसानी और कास्तकार के आमदनी बढ़ाने के लिए राजनीतिक दल मुद्दे को बनाते हैं लेकिन ये चुनावी वादे राज्य में खेती किसानी की तस्वीर नहीं बदल पाई है। हकीकत यह है कि खेती का रकबा साल दर साल घट रहा है। जंगली जानवरों की समस्या, सिंचाई सुविधा का अभाव, बिखरी कृषि जोत के कारण लोग खेती से पलायन कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव में खेती और किसानी बेशक राजनीतिक दलों के लिए प्रमुख मुद्दा न हो लेकिन उत्तराखण्ड के ग्रामीण और किसान के लिए छूटती खेती सबसे बड़ी परेशानी का सबब है। कागजों में राज्य की बड़ी आबादी कृषि आधारित अर्थव्यवस्था पर निर्भर दिखाई देती है लेकिन हकीकत में उत्तराखण्ड की खेती-किसानी अपने सबसे बड़े संकट के दौर गुजर रही है। खासतौर पर राज्य के पर्वतीय इलाकों में कभी मंडुवा, झंगोरा, लाल चावल, राजमा, मटर की खेती से हरे-भरे रहने वाले खेत आज उजाड़ हो चुके हैं। कहीं सिंचाई के संसाधनों के अभाव में तो कहीं जंगली जानवरों की घुसपैठ की वजह से खेती छोड़ना किसानों की मजबूरी बन गई है। पर्वतीय क्षेत्रों में खेती किसानी में सबसे बड़ी चुनौती बिखरी कृषि जोत भी है। 1962 से आज तक जमीनों का बन्दोबस्त नहीं हुआ है। किसानों के पास एक ही जगह पर खेती के पर्याप्त भूमि नहीं है। एक खेत पहाड़ के इस धार में है तो दूसरा खेत दूसरी धार में है। जिसमें खेतीबाड़ी करने में ज्यादा मेहनत लगती है। साथ ही फसलों की रखवाली भी नहीं हो पाती है। क्लस्टर और संविदा खेती के लिए पहाड़ों में कृषि भूमि की सबसे बड़ी समस्या है। सरकारों ने इस समस्या को देखते हुए चकबन्दी की पहल थी। लेकिन गोल खातों के चलते चकबन्दी सिरे नहीं चढ़ पाई है। प्रदेश के कुल कृषि क्षेत्रफल का 49.55 प्रतिशत पर्वतीय क्षेत्र में आता है।

जबकि 50.45 प्रतिशत मैदानी व तराई का क्षेत्र है। पर्वतीय क्षेत्रों में मात्र 12.06 प्रतिशत कृषि क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा है। जबकि किसानों को फसलों की पैदावार के लिए बारिश पर निर्भर रहना पड़ता है। समय पर बारिश नहह्र हुग्र तो किसानों को मेहनत के बराबर भी उपज हाथ नहीं लगती है। मंडुवा, झंगोरा, चौलाई, राजमा, गहथ, काला भट्ट परम्परागत फसलें है। श्री अन्न योजना से इन मोटे अनाजों को पहचान तो मिली है। लेकिन बाजार की मांग को पूरा करने के लिए पैदावार बढ़ाना भी एक चुनौती है। राज्य गठन के बाद मंडुवा का क्षेत्रफल आधा हो गया है। 2001-02 में प्रदेश में मंडुवे का क्षेत्रफल 1.32 लाख हेक्टेयर था। जो 2023-24 में घट कर 70 हजार हेक्टेयर रह गया। पहाड़ों में खेती किसानी के सामने एक बड़ी समस्या भूमि प्रबन्धन की है। कृषि भूमि सीमित होने के साथ बिखरी हुई है। आज तक पहाड़ों में चकबन्दी नहीं हो पाई। जबकि राज्य में सबसे बड़ा स्वरोजगार कृषि है। लेकिन कई तरह की समस्याओं के चलते लोग खेती छोड़ रहे हैं। विकास के साथ जल, जंगल और जमीन के प्रति सोचने की जरूरत है। राजनीतिक दलों को इस समस्या को गम्भीरता से लेना चाहिए। ताकि पहाड़ों में खेती किसानी बची रहे। पहाड़ों में खेतीबाड़ी के लिए सिचाई की पर्याप्त सुविधा नहीं है। किसान को फसलों की पैदावार के लिए बारिश पर निर्भर हैं। इसके लिए हाईटैक सिंचाई प्रणाली को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। किसानों को उपज का सही दाम मिले। इसके लिए मण्डियों में बिचौलियों पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। किसानों को समय पर बीज व पौधे उपलब्ध कराने की ठोस नीति बननी चाहिए।। आखिर, सवाल पहाड़ों में खेती को बचाने का है।

चुनाव के रंग-ढंग

चार को पार्टी से निकाला

ऋषिकेश। कांग्रेस ने अनुशासन हीनता के आरोप में ऋषिकेश में महिला कांग्रेस की पूर्व नगर अध्यक्ष नीलम तिवारी समेत चार को पार्टी से 6 वर्ष के लिये निकाल दिया। पार्टी के नगर अध्यक्ष राकेश मियां ने बताया कि निष्क्रियता और संगठन विरोधी गतिविधियों के चलते इन्हें निकाला गया।

बॉबी की प्रचार सामग्री

देहरादून। चुनाव आयोग की टलम ने दून में टिहरी सीट से निर्दलीय प्रत्याशी बॉबी पंवार की प्रचार सामग्री पकड़ी। रायपुर विस क्षेत्र में बिना अनुमति कार से ले जा रहे बैनर-पोस्टर पकड़ते हुए आचार संहिता उलंघन पर नोटसि जारी किया।

आक्रामक होकर बात हो

देहरादून। कांग्रेस की प्रदेश सह प्रभारी दीपिका पाण्डे ने पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से आक्रामक होकर जनता के बीच अपनी बात रखने को कहा। पार्टी मुख्यालय के वॉर रूम व तैयारियों को भी देखा।

उत्पीड़न का आरोप

देहरादून। भाजपा के प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी के नेतृत्व में पार्टी के प्रतिनिधि मण्डल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात कर आरोप लगया कि निर्वाचन से जुड़े अफसर पार्टी के सदस्यों, पराधिकारियों के घरों से नेम प्लेट, झण्डे और स्टीकर उतार रहे हैं। कारोबारियों को दुकानों पर झण्डे नहीं लगाने दिये जा रहे हैं।

मीडिया कोऑर्डिनेटर

लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान में उत्तराखण्ड कांग्रेस मीडिया प्रभारी डॉ. चयनिका उनियाल के निर्देशन में मीडिया कोऑर्डिनेटर नियुक्त किये गये हैं। जिला स्तर पर भी समन्वयक बनाए गये हैं ताकि यह पार्टी की रीति नीति को जन जन तक पहुंचा सकें।

५१ पेटी शराब सहित

देहरादून। राजपुर थाना पुलिस ने चुनाव में बंटने जा रही 51 पेटी शराब सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। तस्करी में इस्तेमाल दो वाहन भी सीज कर दिए।

पंचायत भवन में सभा

चम्पावत। चौड़ासेठी गाँव के बिना अनुमति के सरकारी भवन में चुनाव प्रचार व राजनीतिक सभा करने पर सहायक निर्वाचन अधिकारी की ओर से भाजपा प्रत्याशी को नोटिस जारी किया गया। बताया जा रहा है सभा के बाद खूब नारेबाजी यहाँ की गई थी।

ठुकराल बिना अधूरा

रुद्रपुर। विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने पर पार्टी छोड़ने वाले भाजपा के पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल की छटपटाहट दिख रही है। मोदी के दौरे के समय उनके समर्थक सड़क पर तख्ती लेकर खड़े थे जिसमें लिखा था- 'ठुकराल केबिना अधूरा भाजपा परिवार।'

हरक का सवाल ही नहीं

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट नके कहा कि पूर्व कबीना मंत्री हरक सिंह रावत के भाजपा में शामिल होने का दूर दूर तक कोई प्रश्न नहीं है। प्रेसवार्ता में बताया कि हरक के खिलाफ निलम्बन की कार्यवाही केन्द्रीय स्तर से हुई थी।

कांग्रेस प्रत्याशियों के जुटेगी आप

देहरादून। उत्तराखण्ड में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता कांग्रेस प्रत्याशियों के लिये चुनाव प्रचार करेंगे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा और आप प्रदेश अध्यक्ष एस.एस.कलेर ने इण्डिया गठबन्धन के मंच पर आकर यह घोषणा की। प्रेस क्लब में आकर इसकी घोषणा भी की।

कार्मिकों का प्रशिक्षण, तैयारियां पूरी

चुनाव के लिये प्रशासनिक तैयारियां पूरी हैं। प्रदेश के सभी जिलों में जिला निर्वाचन अधिकारी व उनकी टीम गतिविधियों पर नज़र बनाए हुए हैं। जोनल, सेक्टर सहित अन्य स्तर के कार्मिकों का प्रशिक्षण होने के साथ ही उड़नदस्तों द्वारा चैकिंग अभियान चलाया गया है। प्रदेश से लगे बार्डर क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा की गई है।

भाजपा सत्ता में रही तो संविधान बदल देगी

नैनीताल। इंडिया महागठबन्धन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं से लोकसभा चुनाव में प्रदेश की 5 सीटों पर कांग्रेस को समर्थन देने की बात कही। कहा कि अगर भाजपा सत्ता में रही तो देश का संविधान बदल दिया जायेगा।

हिमालय की भी हो चिन्ता : अनिल जोशी

देहरादून। पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी चुनावी आग में प्रकृति और पर्यावरण को लेकर चुप्पी पर आहत हैं। उन्होंने कहा कि देश में देश में तीनों बड़े ईको सिस्टम यानी हिमालय, तटीय क्षेत्र और मरुस्थल को लेकर निरन्तर बातचीत होनी चाहिये। उन्होंने राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को पत्र भी भेजा है।

ज्योतिष की बातें - 173

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य किसी भी ग्रह का राशि परिवर्तन नहीं हो रहा है । सूर्य और शुक्र उच्चराशि मेष और मीन में क्रमशः शनि मूलत्रिकोण राशि कुम्भ में, बृहस्पति मित्रराशि मेष में, मंगल समराशि कुम्भ में और बुध नीचराशि मीन में यथावत गोचर करते रहेंगे। चन्द्रमा इस सप्ताह मिथुन, कर्क, सिंह व कन्या राशि में क्रमशः गोचर करेगा।

19 अप्रैल 2024 को सूर्य सायनमान से वृषभ राशि में प्रवेश करेगा। ग्रीष्म ऋतु का प्रारम्भ होगा अतः अगले दो माह त्रिफला चूर्ण का थोड़ा गुड़ मिलाकर सेवन स्वास्थ्यप्रद रहेगा।

रामनवमी- चैत्र शुक्लपक्ष नवमी मध्याह्न व्यापिनी तिथि में रामनवमी का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार बुधवार 17 अप्रैल 2024 को रामनवमी का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन भगवान राम के जन्मोत्सव का प्रसंग श्रवण करना चाहिए और जन्मोत्सव को उल्लास पूर्वक सामाजिक रूप से मनाना चाहिए।

दुर्गा विसर्जन- चैत्र शुक्लपक्ष दशमी पूर्वाह्नव्यापिनी तिथि में दुर्गा विसर्जन किया जाता है अतः जिन्होंने नवरात्रि में दुर्गा स्थापना की है वे बृहस्पतिवार 18 अप्रैल 2024 को दुर्गा विसर्जन करेंगे।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 64

टेक्नोलॉजी की गुलामी

पहले कुछ कार्य आफलाइन भी हो जाते थे, जिसमें नेटवर्क की आवश्यकता नहीं पड़ती थी। अब सभी कार्य सुबह से शाम तक आनलाइन ही होते हैं जिसमें नेटवर्क, वह भी हाईस्पीड नेटवर्क की आवश्यकता होती है। बच्चों का एडमिशन कराना हो, परीक्षा का फार्म भरना हो, नौकरी के लिए अप्लाई करना हो, बैंक में खाता खोलना हो, इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना हो, कोई भी कार्य करना हो सभी कार्य आनलाइन होने के कारण नेटवर्क की आवश्यकता होती है। आनलाइन कार्य करते समय बार-बार ओटीपी आता है जो कि मोबाइल में एसएमएस से आता है साथ ही मेल आईडी में भी आता है। मेल आईडी बनाना अब सभी के लिए आवश्यक हो गया है। कहीं पर पता बदलना हो, कोई सामान मंगाना हो, कैब बुक करनी हो, किसी दोस्त के घर जाना हो, सभी कार्यों के लिए नेटवर्क चाहिए। नेटवर्क के साथ-साथ अपने शरीर से चिपका हुआ उच्च क्वालिटी मोबाइल तो चाहिए ही। जिसके पास एंड्राइड मोबाइल नहीं होगा उसका तो जीना दूभर है। वह किसी दोस्त के घर भी नहीं जा पाएगा। लोकेशन कैसे पता करेगा? क्योंकि पता तो लिखा हुआ होता नहीं है अब। आप कल्पना करें कि किसी विशेष आपातकालीन स्थिति में मोबाइल नेटवर्क समाप्त हो जाए तो उसके कार्य कैसे हो पाएंगे? बैंक से पैसे भी नहीं निकाल पाएगा। बाजार में किसी को पेमेंट भी नहीं कर पाएगा। इस प्रकार यह मनुष्य टेक्नोलाजी का भयंकर गुलाम बन चुका है। यह तो केवल मोबाइल नेटवर्क की बात हुई साथ ही यदि बिजली चली जाए एक दो सप्ताह के लिए भी, रसोइ गैस की सप्लाई यदि बन्द हो जाए, तो आदमी का जीवन बच पाएगा क्या? क्योंकि इन चीजों के विकल्प अब उपलब्ध नहीं है। अतः मेरा विचार है कि आनलाइन के साथ-साथ आफलाइन सुविधा भी उपलब्ध होनी चाहिए। बिजली से होने वाली सभी कार्य मैकेनिक सिस्टम से भी होने के विकल्प होना चाहिए। खाना बनाने के लिए रसोई गैस के भी विकल्प लकड़ी, चूल्हा, अंगीठी आदि बने रहना चाहिए। आदि आदि।

-सरल

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चुनाव बहिष्किार की जिद पर अड़े

रानीखेत। विकास संघर्ष समितिने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र भेजकर छावनी परिषद अन्तर्गत निवास कर रहे नागरिकों की परेशानियां दूर न होने तक लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 सहित सभी चुनावों के बहिष्कार का ऐलान किया है। पत्र में कहा है कि पिछले एक वर्ष से छावनी परिषद रानीखेत-चिलियानौला नगरपालिका में समायोजित करने हेतु रानीखेत विकास समिति के बैनर तले क्रमबद्ध धरना प्रदर्शन किया जा रहा है।

चैतोला मेले की तैयारियां

लोहाघाट। गुमदेश के प्रसिद्ध चैतोल मेले की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। पहली नवरात्र से मन्दिर में मेला शुरू होगा। मुख्य मेला 19 अप्रैल को होगा। चौमू चौखाम बाबा मन्दिर समिति के अध्यक्ष खुशाल सिंह धौनी ने बताया कि शुरुआत में देवडांगर पंचेश्वर संगम पर गंगा स्नान करेंगे। मेले के शुभारम्भ के बाद सांस्कृतिक और खेलकूद प्रतियोगिताएं भी होंगी।

मूलाकोट में अवैध खनन पर कार्रवाई

पाटी। मूलाकोट क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर कार्रवाई की गई। क्षेत्रवासियों द्वारा अवैध खनन का विरोध पहले से ही किया जा रहा था। जिलाधिकारी से शिकायत के बाद मौके पर पहुंची खनन अधिकारियों की टीम ने उपखनिज को सीज किया है। क्षेत्रवासियों का कहना है थ्क जेसीबी से हो रही खुदाई के कारण बरसात के दिनों में चट्टानें दकर रही हैं और खतरा बढ़ता जा रहा है।

कपकोट में हाईवोल्टेज से उपकरण जले

कपकोट। क्षेत्र में एकाएक हाईवोल्टेज से घरों में विद्युत उपकरण जल गये। इसमें फ्रीज, टीवी, एलईडी, पंखे व अन्य उपकरणों को नुकसान की बात कही जा रही है। शेर सिंह, दयाल सिंह, दौलत सिंह, किशन सिंह ने बताया कि हाईवोल्डेज से हुए नुकसान की भरपाई के लिये आन्दोलन करेंगे। ऊर्जा निगम के जेई का कहना है कि ग्यारह हजार केवी लाइन का जंफर जल जाने के कारण हो वोल्टेज हो गई है।

दमकल में महिलाएं भी शामिल

हल्द्वानी। राज्य में पहली बार दमकल का हिस्सा महिलाएं बन रही हैं। ग्रीष्मकाल में होने वाली आग की घटनाओं को देखते हुए दमकल में महिलाओं को भी शामिल किया गया है। बताते चलें कि गत वर्ष जिले में महिला दमकल कर्मी नहीं थीं। सीएफओ गौरव किरार ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व हीरानगर वीनस शोरूम में आग लगी थी और नई महिला दमकल कर्मियों ने यहाँ बेहतर कार्य किया। जिला अग्निशमन विभाग से हल्द्वानी, भीमताल, लालकुआं और नैनीताल तहसीलों में दमकल कार्यालय संचालित किए जाते हैं

उत्तराखण्ड में निकाय चुनाव जून में कराने की तैयारी

लोकसभा चुनाव के बाद उत्तराखण्ड में निकाय चुनाव की तैयारी है। निकायों में आगबीसी आरक्षण निर्धारित करने के लिये गठित एकल सदस्यीय आयोग की रिपोर्ट सरकार स्वीकार कर चुकी है। ऐसे में मई में आरक्षण घोषित किए जाने के बाद जून में निकाय चुनाव कराए जाने की तैयारी है।

उल्लेखनीय है कि नगर निकायों का कार्यकाला एक दिसम्बर को ही समाप्त हो गया था। ऐसे में निकाय एक जून तक प्रशासकों के पास है। साथ ही चुनाव में देरी का मामला पहले से हाईकोर्ट में है, जहाँ सरकार प्रशासकों का कार्यकाल समाप्त होने से पहले चुनाव कराने की जानकारी दे चुकी है। इसी सिलसिले में शहरी विकास विभाग ने निकाय चुनावों की तैयारी प्रारम्भ कर दी है। बताया जा रहा है कि सरकार एकल सदस्यीय आयोग की रिपोर्ट के अनुसार सभी स्तर पर ओबीसी आरक्षण नए सिरे से निर्धारित करने पर सैद्धान्तिक तौर पर सहमत है। प्रथम चरण में 93 निकायों की वोटर सूची भी तैयार हो चुकी ।ँँ

बनभूलपुरा काण्ड : अब्दुल मलिक, पुत्र मोईद के बाद पत्नी साफिया बंद

हल्द्वानी। बनभूलपुरा हिंसा काण्ड के मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक, उनके पुत्र मोईद के बाद पत्नी साफिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। मलिक की जमानत याचिका न्यायालय ने खारिज कर दी। वहीं सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा और जमीन को खुर्द बुर्द करने के आरोप में फरार चल रही मलिक की पत्नी साफिया को पुलिस ने बरेली से पकड़ा। नगर निगम के सहायक आयुक्त की तहरीर पर कोतवाली पुलिस 22 फरवरी को अब्दुल मलिक, साफिया मलिक, अख्तरी बेगम, नवी रजा खां, गौस रजा खो और अब्दुल लतीफ के खिलाफ ध ोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। मुकदमे के बाद से साफिया फरार चल रही थी। न्यायालय से वारंट जारी होने के बाद पुलिस ने साबिया की तलाश तेज कर दी। पुलिस और एसओजी की टीम ने साफिया को बिहारीपुर, बरेली से गिरफ्तार किया। जेल में बन्द मलिक के वकीलों ने सेशन कोर्ट में जमानत की याचिका दायर की थी। कोर्ट ने जमानत याचिका स्वीकार कर ली थी। सुनवाई पर कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। इनके वकील रोहिताश चक्रवर्ती ने कहा कि हाईकोर्ट में अब्दुल मलिक, साफिया, पुत्र अब्दुल मोईद जमानत याचिका दायर की जाएगी।

महिला रामलीला की मोहक प्रस्तुति

हल्द्वानी। हीरानगर उत्थान मंच में इस बार भी महिला रामलीला की मोहक प्रस्तुति देखने को मिली। रामलीला का आयोजन पुनर्नवा महिला समिति की ओर से किया गया। पूरी रामलीला के पात्र महिला ही थे।

गत वर्ष भी पुनर्नवा महिला समिति द्वारा शानदार रामलीला का आयोजन किया गया था। पर्वतीय शैली की रामलीला को गीत-संगीत-सम्वाद से संवारने के लिये कलाकारों ने कई दिनों की मेहनत की जिससे हल्द्वानी में फिर से पर्वतीय शैली की रामलीला प्रोत्साहन मिला है। समिति की अध्यक्ष लता बोरा, उपाध्यक्ष यशोदा रावत, सचिव शन्ति जीना, प्रचार सचिव कल्पना रावत, प्रेमा वृजवासी, जानकी पोखारिया, मंजू बनकोटी, अंजना बोरा, कुसुम बोरा सहित इनकी पूरी टीम जुटी रही। बताते चलें कि मुखानी सहित कई जगह होने वाली रामलीला बन्द हो चुकी हैं। ऐसे में महिला समिति का प्रयास सराहनीय है।

वायदे पूरे न करने का मलाल, जन संघर्ष से होगा समस्याओं का समाधान

पिथौरागढ़। अक्सर देखा होगा कि नेता अपनी बात पर अड़े रहते हैं। वादा करके भूल जाते हैं। फिर बहानेबाजी करते हैं। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया अपना वायदा पूरा नहीं कर पाने पर सार्वजनिक रूप से धारचूला के ग्राम पंचायत जयकोट की जनता से माफी मांग कर राजनीति में सुचिता का एक नया अध्याय शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि जनता केवल चुनाव के समय ही भगवान नहीं है। इसलिए लोक सभा चुनाव के समय जनता से माफी मांग रहे हैं, लेकिन किसी के लिये वोट मांगने जयकोट नहीं जाएंगे। आचार संहिता समाप्त होने के बाद वर्ष 2022 के विस चुनाव में उनके द्वारा तीन स्थानों पर बैठकें रखीं गई जिनमें समस्याओं को रखा गया लेकिन आज तक उन पर कुछ नहीं हुआ है। अब इन समस्याओं के समाधान के लिये आन्दोलन किया जाएगा। इसके लिये बैठक कर आमसहमति होगी।

राजनेताओं ने समाज को भ्रष्ट करने का काम किया : राजीवनयन बहुगुणा

काशीपुर। पर्यावरणविद् सुन्दरलाल बहुगुणा के सुपुत्र साहित्यकार व पर्यावरणविद् राजीवनयन बहुगुणा ने कांग्रेस, भाजपा व अन्य दल के नेताओं पर चुनाव में असल मुद्दों से भटकाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि राजनेताओं ने समाज को भ्रष्ट करने का काम किया है और जनता क्षणिक लाभ देखकर वोट डाल रही है।

श्री बहुगुणा ने गिरिताल के पास प्रेस वार्ता में उक्त उद्गार व्यक्त किये। लोकसभा चुनाव में स्थानीय मुद्दों को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि नेताओं ने खुद को भ्रष्ट करने के साथ ही समाज को भी भ्रष्ट कर दिया है। आरोप लगाया कि चुनाव में नोट और मुर्गा पर बिकने की बात होती है। समाज अपना क्षणिक लाभ देख रहा है। इसके लिये एक सप्ताह, एक माह और एक साल का लाभ देखा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में चुनाव का असली मुद्दा नदियां, जलस्रोत के संरक्षण का होना चाहिये। उन्होंने कहा कि जलस्रोत ही समाप्त हो जायेंगे तो कितना भी पैसा खर्च लिया जाए इसका कोई लाभ नहीं मिलेगा। अंकिता भण्डारी मुद्दा हमारी अस्मिता का प्रश्न है और भू कानून उत्तराखण्ड में रहने का मुद्दा है। स्थानीय मुद्दों पर जनता के चेते बिना कुछ नहीं हो सकता।

गंगोत्री नेशनल पार्क में सैलानियों की सैर

उत्तरकाशी। गंगोत्री नेशनल पार्क को पर्वतारोही व सैलानियों के लिये खोल दिया गया है। सैलानी अभी नैलांग की सैर ही कर पाएंगे। गौमुख, तपोवन व केदारताल ट्रेक पर जगह-जगह हिमखण्ड होने के कारण यहां जाने की अनुमति सिर्फ पर्वतारोही दलों को ही मिल सकेगी। पार्क के गेट 30 नवम्बर तक खुले रहेंगे।

लोहाघाट में अतिक्रमण हटाए

लोहाघाट। नगर में सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण हटाए गए। चुनाव के इन दिनों में राजस्व और नगर पालिका की संयुक्त टीम ने सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमणों को ध्वस्त किया। नगर के डाकबंगला मार्ग में एक व्यक्ति सरकारी भूमि में अतिक्रमण कर निर्माण कर रहा था, साथ ही शिवालय मार्ग में भी सरकारी भूमि में अवैध रूप से गौशाला बनी हुई थी। जांच में यह दोनों अतिक्रमण पाए गये जिन्हें हटाया गया।

परिक्रमा

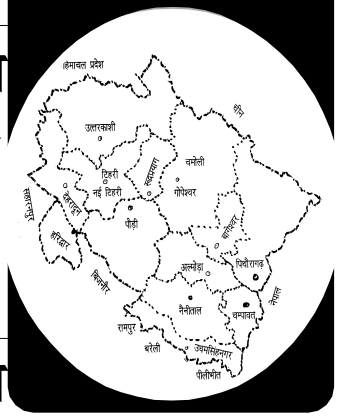

डेरों के वर्चस्व को लेकर हुई बाबा तरसेम की हत्या

नानकमत्ता। एसएसपी ने बाबा तरसेम सिंह हत्याकाण्ड का खुलासा करते हुए कहा कि तराई में डेरों के वर्चस्व को लेकर धार्मिक डेरा कार सेवा के प्रमुख जत्थेदार बाबा तरसेम सिंह की हत्या को अंजाम दिया गया। पिघलता हिमालय ने अपने पिछले अंक में ही संकेत किया था कि सर्वाधिक मान्यता वाले बाबा फौजा सिंह के बाद से प्रबन्धन में हस्तक्षेप की लड़ाई तराई में है।

तरसेम सिंह हत्याकाण्ड में षड्यन्त्र में सेवादार समेत चार आरोपी पुलिस के हत्थे हैं। बताया जा रहा है कि पेशेवर शूटरों को दस लाख रुपये देकर यह काण्ड करवाया गया। एसएसपी ने बताया कि 28 मार्च को नानकमत्ता डेरे में घूमकर बाइक सवार दो बदमाशों ने बाबा की गोली मारकर हत्या कर दी। मुख्य आरोपियों की पंजाब सहित अन्य जगह तलाश सहित शरण देने वाले चार गिरफ्तार कर लिये गये हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

क्या पलायन बनेगा चुनावी मुद्दा

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

उत्तराखण्ड में पलायन ऐसा विषय है, जिसे थामने की चुनौती अभी भी बरकरार है। यद्यपि, तस्वीर कुछ बदली है लेकिन रास्ता लम्बा है। गाँवों से पलायन अब अन्य राज्यों की बजाय अपने ही राज्य के शहरों में अधिक दिख रहा है। कृषि प्रधान उत्तराखण्ड की पहचान परम्परागत कृषि ज्ञान व बीज विविधता से है। यहाँ उगाए जाने वाले पारम्परिक फसलों में पोषक तत्वों की भरमार है। यही कारण है कि पहाड़ के लोगों में रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है। इन पारम्परिक अनाजों को स्थानीय लोक बोली में बारह नाजा अर्थात 12 प्रकार के अनाज के नाम से जाना जाता है लेकिन बदलते वक्त के साथ पहाड़ के बारह नाजा की फसलें विलुप्त होती नजर आ रही है पहाड़ के खेत खलिहानों में दम तोड़ते पहाड़ की पारंपरिक फसलों को संरक्षित करने की कवायद भले ही तेज हो गई हो। पूरा विश्व मोटे अनाज वर्ष (मिलेट्स ईयर) के रूप में मना रहा हो लेकिन काश्तकार खासतौर पर पहाड़ी क्षेत्रों मे रहने वाले किसान इनकी खेती करने से कतरा रहे हैं। इसकी पीछे आधुनिक जीवन शैली की ओर आर्कषण व जंगली जानवरों का फसलों को नुकसान पहुँचाना माना जा रहा है।

उत्तराखण्ड राज्य का गठन 9 नवम्बर 2000 को हुआ था। एक अलग पर्वतीय राज्य की मांग इस वजह से भी उठी थी ताकि इस पर्वतीय क्षेत्र की परिस्थितियों के अनुसार इस क्षेत्र का विकास हो सके लेकिन जिस अवधारणा के साथ राज्य का गठन किया गया था, वह अवधारणा अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। या यों कहें कि इसके उलट पर्वतीय क्षेत्र लगातार खाली होते जा रहे हैं। इसकी मुख्य वजह मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध न हो पाना है।

लोकसभा चुनाव में खेती और किसानी बेशक राजनीतिक दलों के लिए प्रमुख मुद्दा न हो लेकिन उत्तराखण्ड के ग्रामीण और किसान के लिए पीछे छूटती खेती सबसे बड़ी परेशानी का सबब है। कागजों में राज्य की बड़ी आबादी कृषि आधारित अर्थव्यवस्था पर निर्भर दिखाई देती है लेकिन हकीकत में उत्तराखण्ड की खेती-किसानी अपने सबसे बड़े संकट के दौर से गुजर रही है। इसका एक बड़ा कारण रोजगार की तलाश में राज्य के पहाड़ी इलाकों से पलायन करते युवाओं की बढ़ती संख्या तो है ही साथ भूमि के बढ़ते खरीदार जो उत्तराखण्ड राज्य के मूल निवासी न होकर देश के बड़े शहरों के धनाढ्य, उद्योगपति और राजनेता हैं। इनका उद्देश्य सिर्फ इतना है कि यहाँ के सुन्दर और प्राकृतिक मनोरम दृश्य के बीच कुछ समय के लिए एक आकर सुकून तलाशा जाये। परिणाम स्वरूप पर्वतीय क्षेत्रों में खेती की जमीन की जगह आपको शानदार रिसोर्ट और होटल दिखाई देंगे। जिस राज्य में 70 फीसदी से अधिक भू-भाग वन क्षेत्र हो और खेती के लिए बेहद सीमित भूमि बची हो, वहाँ खेती-किसानी का छूटना न सिर्फ चिन्ताजनक है बल्कि भविष्य के लिए खतरनाक भी है। यह संकट उस सूरत में और भी भयावह दिखाई देता है जब यह तथ्य सामने आता है कि राज्य गठन बाद से अब तक दो लाख हेक्टेयर कृषि भूमि कम हो गई है। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकारें योजनाओं का मरहम तो लगा रही हैं फिर भी उत्तराखण्ड में उपजाऊ भूमि बंजर होती जा रही है। जंगली जानवरों के नुकसान से कास्तकार खेती छोड़ रहे हैं। राज्य गठन के समय उत्तराखण्ड में कृषि का क्षेत्रफल 7.70 लाख हेक्टेयर था। जो 24 सालों में घट कर 5.68 लाख हेक्टेयर पर पहुँच गया है। हर चुनाव में खेती किसानी और कास्तकार के आमदनी बढ़ाने के लिए राजनीतिक दल मुद्दे को बनाते हैं लेकिन ये चुनावी वादे राज्य में खेती किसानी की तस्वीर नहीं बदल पाइ। है। हकीकत यह है कि खेती का रकबा साल दर साल घट रहा है। जंगली जानवरों की समस्या, सिंचाई सुविधा का अभाव, बिखरी कृषि जोत के कारण लोग खेती से पलायन कर रहे हैं। प्रदेश के कुल कृषि क्षेत्रफल का 49.55 प्रतिशत पर्वतीय क्षेत्र में आता है। जबकि 50.45 प्रतिशत मैदानी व तराई का क्षेत्र है। पर्वतीय क्षेत्रों में मात्र 12.06 प्रतिशत कृषि क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा है। जबकि किसानों को फसलों की पैदावार के लिए बारिश पर निर्भर रहना पड़ता है। समय पर बारिश नहीं हुई तो किसानों को मेहनत के बराबर भी उपज हाथ नहीं लगती है। मंडुवा, झंगोरा, चौलाई, राजमा, गहथ, काला भट्ट परम्परागत फसलें हैं। श्री अन्न योजना से इन मोटे अनाजों को पहचान तो मिली है। लेकिन बाजार की मांग को पूरा करने के लिए पैदावार बढ़ाना भी एक चुनौती है। राज्य गठन के बाद मंडुवा का क्षेत्रफल आधा हो गया है। 2001-02 में प्रदेश में मंडुवे का क्षेत्रफल 1.32 लाख हेक्टेयर था। जो 2023-24 में घट कर 70 हजार हेक्टेयर रह गया। केन्द्र सरकार ने भले ही खेती-किसानी को तवज्जो दी हो, लेकिन उत्तराखण्ड में कृषि की दशा बिगड़ती जा रही है। 71 फीसद वन भूभाग वाले उत्तराखण्ड में 7. 68 लाख हेक्टेयर में खेती होती है लेकिन यह दायरा भी लगातार सिमट रहा है। खासकर पर्वतीय इलाकों में। बता दें कि राज्य के 13 जनपदों में से 10 पूरी तरह पर्वतीय हैं। कृषि की सबसे नाजुक हालत भी पर्वतीय इलाके में ही है। आंकड़ों पर ही नजर दौड़ाएं तो कुल कृषि भूमि का 3. 31 लाख हेक्टेयर मैदानी और 4.37 लाख हेक्टेयर क्षेत्र पर्वतीय है। कुल कृषि भूमि का 3.43 लाख हेक्टेयर क्षेत्र ही सिंचित है और मैदान में सिंचित भूमि का दायरा 2. 98 लाख हेक्टेयर और पर्वतीय क्षेत्र में महज 0.45 लाख हेक्टेयर ही है। हालांकि, पर्वतीय इलाके में कृषि भूमि अधिक है, मगर यहीं सर्वाधिक मार भी पड़ी है और इसके लिए एक नहीं तमाम कारक जिम्मेदार हैं, जिसकी वजह से लोगों का कृषि से मोहभंग हो रहा है। असल में पर्वतीय इलाकों से बड़े पैमाने हो रहे पलायन के चलते पहले ही बड़ी संख्या में खेत भी बंजर हो रहे हैं। हाल यह है कि अभी तक 60 हजार हेक्टयेर से ज्यादा ऐसी भूमि बंजर में तब्दील हो चुकी है, जिस पर खेती होती थी और लोगों ने इसे छोड़ दिया है। यही नहीं, पर्वतीय इलाकों में खेती के सामने पलायन के साथ ही अन्य कई चुनौतियां भी मुंहबाए खड़ी हैं। पहाड़ में सिंचाई सुविधा के अभाव में कृषि पूरी तरह इन्द्रदेव की कृपा पर निर्भर है। यानी वक्त पर बारिश हो गई तो ठीक अन्यथा अगली फसल बोने को भी खेती से बीज तक नसीब नहीं हो पाता। इसके अलावा प्राकृतिक आपदा, जंगली जानवरों द्वारा फसलों को चौपट करना जैसे अन्य कई कारण भी हैं जिनके चलते खेती से दूरी बढ़ रही है। जहाँ तक मैदानी इलाकों की बात करें तो वहाँ शहरीकरण की मार से खेती की जमीन कम हुई है। साफ है कि उत्तराखण्ड में पहाड़ और मैदान दोनों ही जगह खेती संकट में है। फिर, जिस हिसाब से पहाड़ के गाँव खाली हो रहे हैं खेत खलिहान बंजर, वह अन्तर्राष्ट्रीय सीमाओं से घिरे इस राज्य के लिए किसी भी दशा में उचित नहीं है। इस सूरतेहाल में पहले बड़ी जरूरत खेती को संबल देने की है। हालांकि इस दिशा में चकबन्दी एक बड़ा विकल्प है परन्तु बिखरी जोत को एक जगह कर उसका वितरण भी बड़ी चुनौती है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह राज्य में कृषि को बढ़ावा देने को प्रभावी कदम उठाए। इसके लिए पारम्परिक खेती से हटकर नकदी फसलों को बढ़ावा देना होगा। इसके लिए ऐसी ठोस कार्ययोजना तैयार करनी होगी कि लोग खुद खेती की तरु उन्मुख हों। भारत के मौसम विभाग ने राज्य में वर्षा के माहवार आंकड़ों का विश्लेषण किया और यह निष्कर्ष निकाला कि पिछले कुछ सालों में जनवरी, मार्च, जुलाई, अगस्त, अक्टूबर और दिसम्बर में बरसात कम हुई है। उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था बहुत हद तक बरसात पर निर्भर है। नौकरी के साथ खेती और पशुपालन प्रमुख व्यवसाय हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में भी प्रमुख आर्थिक गतिविधि कृषि ही है जहाँ 60४ लोग किसान हैं और 5४ खेतिहर मजदूर हैं। पहाड़ी क्षेत्र बहुत हद तक मानसूनी बारिश पर निर्भर हैं। बरसात के पैटर्न में कोई भी बदलाव यहाँ जलचक्र और खाद्य सुरक्षा के लिये खतरा है। दूसरी ओर बन्दरों, सूअरों और दूसरे जंगली जानवरों के बढ़ते आतंक से फसल को खतरा पैदा हो गया है। तेंदुओं का आतंक भी गाँवों में बढ़ गया है जिसके कारण लोग तेजी से राज्य के मैदानी जिलों या फिर दूसरे राज्यों की ओर भाग रहे हैं। उत्तराखण्ड में कुल 13 जिले हैं। इनमें से 10 पहाड़ी जिले कहे जाते हैं। पिछले कुछ दशकों में पहाड़ी जिलों से हुआ तीव्र पलायन राज्य की सबसे बड़ी समस्याओं में एक है। ग्रामीण विकास और पलायन आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक 70 प्रतिशत पलायन राज्य के भीतर ही हुआ है 'पहाड़ी क्षेत्रों से मैदानी इलाकों में'। रिपोर्ट में पलायन का जिलेवार विवरण जारी किया गया था।

भाजपा की झोली में गिरते नेता

लोकसभा चुनाव में छोटे-बड़े नेताओं का इधर-उधर जाना जारी है। इसमें ज्यादातर भाजपा की झोली में गिरते दिखाई दे रहे हैं। कारण चाहे जो भी हों इतना साफ दिखाई दे रहा है कि ग्राम, शहर, जिला, प्रदेश स्तर के ज्यादातर छोटे-बड़े नेता भाजपा में शामिल हुए हैं। कांग्रेस से निकलने वालों की संख्या अधिक है। यह भी सत्य है कि नेता के समर्थन में इधर-उधर होने वालों सटीक नहीं कहा जा सकता है वह कितने मन से किस पार्टी में हैं।

मालचंद

उत्तरकाशी। पुरोलासीट पर कांग्रेस प्रत्याशी रहे मालचंद ने भाजपा में वापसी कर ली है। इसके अलावा गंगोत्री के कांग्रेसी पूर्व विधायक विजय पाल सजवाण, दिनेश धनै भाजपाई हो चुके हैं।

मुकेश बिष्ट

हल्द्वानी। वार्ड संख्या 51 के निवर्तमान पार्षद मुकेश बिष्ट भाजपा परिवार में शामिल हो चुके हैं। निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर पार्षद का चुनाव जीतने वाले मुकेश ने कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत व निवर्तमान मेयर जोगेन्द्र रौतेला से मिलकर पार्टी की सदस्यता ले ली।

मीना रावत

लालकुआ। कांग्रेस छोड़ के जाने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। महिला कांग्रेस नगर अध्यक्ष मीना रावत ने भी पार्टी छोड़ दी। इससे पहले नगर अध्यक्ष सरदार गुरदीप सिंह, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष कैलाश चन्द्र पन्त ने पार्टी छोड़ दी थी।

महेश शर्मा

हल्द्वानी। कांग्रेस के प्रदेश महासचिव व 2022 में कांग्रेस के टिकट पर कालाढूंगी विधानसभा सीट से विधायक का चुनाव लड़ चुके महेश शर्मा भाजपा में शामिल हो गये। शर्मा पहले भी निर्दलीय चुनाव लड़ चुके हैं।

सिकन्दर पवार

अल्मोड़ा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व दर्जा मंत्री सिकन्दर पवार ने कांग्रेस पर भाई भतीजा परिवार वाद का आरोप लगाते हुए भाजपा की शरण ले ली। पवार सफाई कर्मचारी आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष के साथ साथ वाल्मीकि समाज के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं।

एस.पी.सिंह

देहरादून। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष और विधानसभा प्रत्याशी रहे एस.पी.सिंह अपने समर्थकों सहित भाजपा में शामिल हो गये। बलवीर रोड स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में उनका स्वागत किया गया।

जितेन्द्र सिंह सन्धू

किच्छा। कांग्रेस छोड़ने वाले किसान कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह सन्धू ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा में पर्दापण कर लिया। लोकसभा प्रत्याशी अजय भट्ट ने इनका स्वागत किया।

दीपक बल्यूटिया का इस्तीफा वापस

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता दीपक बल्यूटिया ने उत्तराखण्ड प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा से भेंट कर व वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं से बातचीज कर अपना इस्तीफा वापस ले लिया और कहा वर्तमान परिस्थितियों में देश की प्रबुद्ध जनता अपना मत कांग्रेस को देकर लोकतंत्र बचाने, देश बचाने में अहम भूमिका निभाएगी। कहा कि यथा शक्ति वह कांग्रेस में रहते हुए पूर्व की भांति जनसेवा करते हुए स्व. एन.डी.तिवारी की विकास की सोच को आगे बढ़ाने को संघर्षशील रहेंगे।

बताते चलें कि टिकट की दौड़ के दौरान दीपक बल्यूटिया के कांग्रेस से इस्तीफा देते ही कार्यकर्ता मायूस हो गये थे। जबकि अनुमान भी लगाया जा रहा था कि वह मान जाएंगे और अन्ततः इस्तीफा वापस लेने से पार्टी की ताकत बड़ी है।

जांच के डर से कांग्रेस छोड़ रहे

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने पार्टी छोड़ने वाले नेताओं पर हमला करते हुए कहा कि जिन्हें किसी मामले में फंसने की चिन्ता है, केवल ऐसे नेता ही पार्टी छोड़ रहे हैं। नेताओं के छोड़ने के बावजूद पार्टी का कैडर अपनी जगह जमा हुआ है। कहा कि आने वाले समय में ऐसे नेताओं की पोल खोलेंगे।

यमुनोत्री विधायक का भाजपा प्रत्याशी को समर्थन

बड़कोट। यमुनोत्री विधानसभा के निर्दलीय विधायक संजय डोभाल ने टिहरी लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी माला राज्यलक्ष्मी शाह को अपना समर्थन दिया है। डोभाल ने यमुनोत्री विस क्षेत्र की जनता से भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान की अपील की। विधायक ने अपने आवास में पत्रकार वार्ता करते हुए कहा कि राष्ट्र और क्षेत्र हित को देखते हुए भाजपा को अधिक से अधिक मतों से जीत दिलवाएं। कहा मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के नेतृत्व में क्षेत्र का विकास हो रहा है और आगे भी होता रहेगा।

सिकन्दर पवार

अल्मोड़ा। पूर्व राज्यमंत्री ए.के.सिकन्दर पहले अपना भाजपा में शामिल हो गये थे और अब भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में अपने ग्राम गौना के अधिकांश लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

'कालयुक्त' नाम संवत्सर २०८१ विक्रमी प्रारम्भ होने की शुभकामनाओं के साथ-

पुष्पराज गर्ब्याल
ए-29
जज
फार्म
हल्द्वानी

Sharma Radios
Tanakpur (Champawat)
Dealer& Electornics & Eiampawat
Ph- 9997991803, 9897471476, 9045935736

शिवा टैन्ट हाउस एण्ड डी.जे.सिस्टम
एफ.सी.आई.रोड, टनकपुर
मो.- 9528164073, 9758284330, 9536010083

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by-
(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

घर से बाहर
घर का सा
होटल
लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
7351285555

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

पूर्ण कालिक
संगीत प्रशिक्षण
केन्द्र
हिमालय संगीत शोध समिति
जे.के.पुरम्, सेक्टर डी
छोटी मुखानी
हल्द्वानी
सम्पर्क- 9411563413

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)